रिपोर्ट

दीक्षारम्भ-छात्र प्रेरणा कार्यक्रम

Student Induction Programme

26th सितम्बर – 1st अक्टूबर 2022

संयोजिका

डॉ. ममता यादव

कन्या गुरुकुल परिसर देहरादून

द्वितीय परिसर गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार

साप्ताहिक कार्ययोजना

कन्या गुरुकुल परिसर देहरादून

द्वितीय परिसर गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार

दीक्षारम्भ-छात्र प्रेरणा कार्यक्रम

STUDENT INDUCTION PROGRAMME

26th सितम्बर – 1st अक्टूबर 2022

कार्यक्रम		वक्ता/
यज्ञ (प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे) - स्थान: यज्ञशाला		डॉ. सुनीति आर्या, कु. दीपिका आर्या
26th September 2022 – प्रथम दिवस (प्रातः 10:30–11:30 बजे)		
उद्घाटन समारोह	▪ मंच संचालन ▪ दीप प्रज्ज्वलन, मंगलाचरण, संगठन सूक्त, कुलगीत	डॉ. ममता यादव छात्राएं
व्याख्यान:	▪ विश्वविद्यालय की स्थापना, दृष्टि-दर्शन, उद्देश्य - संस्कृति	प्रो. रेनू शुक्ला (समन्वयक)
मार्गदर्शन सत्र:	▪ विद्यार्थी की आकांक्षाएं एवं परिवार की आशाएँ ▪ सहायता के प्रति आभार एवं कृतज्ञता	
27th September 2022 – द्वितीय दिवस (प्रातः 10:30–11:30 बजे)		
व्याख्यान:	▪ राष्ट्रीयता एवं जीवन मूल्य	डॉ. अर्चना डिमरी
मार्गदर्शन सत्र:	▪ विभाग/ संकाय/ परिसर से परिचित कराना ▪ पाठ्यक्रम से परिचय कराना (उद्देश्य एवं कौशल अर्जन)	डॉ. ऋचा सक्सेना
	▪ विभिन्न वित्तपोषित योजनाओं एवं छात्रवृत्ति सम्बंधित जानकारियाँ	डॉ. सविता
28th September 2022 – तृतीय दिवस (प्रातः 10:30–11:30 बजे)		
व्याख्यान:	▪ रैगिंग विरोधी, जाति एवं यौन उत्पीड़न सम्बन्धी जागरूकता, साथियों का दबाव	प्रो. निपुर सिंह
दृश्य श्रव्य:	▪ स्वामी श्रद्धानन्द जी (फिल्म)	
29th September 2022 –चतुर्थ दिवस (प्रातः 10:30–11:30 बजे)		
व्याख्यान:	▪ वेद एवं आर्य समाज	डॉ. सुनीति आर्या
दृश्य श्रव्य:	▪ स्वामी दयानन्द जी (फिल्म)	
30th September 2022 –पञ्चम दिवस (प्रातः 10:30–11:30 बजे)		
व्याख्यान:	▪ आचार्य रामदेव जी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	डॉ. सुनीति आर्या
मार्गदर्शन सत्र:	▪ योग, खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता सम्बंधित जानकारियाँ	डॉ. संयोगिता, डॉ. सरिता नेगी
	▪ कंप्यूटर एवं इंटरनेट सम्बन्धी सुविधाएँ एवं जानकारियाँ	डॉ. स्वाति सिंघल
1st October 2022 –षष्ठ दिवस (प्रातः 10:30–11:30 बजे)		
व्याख्यान:	▪ भारतीय कानून व्यवस्था	डॉ. नीना गुप्ता
मार्गदर्शन सत्र:	▪ छात्रावास नियमावली सम्बंधित जानकारियाँ	डॉ. प्रवीणा चतुर्वेदी
समापन समारोह	▪ आशीर्वचन	प्रो. हेमलता
	▪ धन्यवाद ज्ञापन	डॉ. ममता यादव

स्थान: संगोष्ठी हॉल (Ground Floor)

26th September 2022 : प्रथम दिवस
उद्घाटन समारोह
मंच संचालन: डॉ. ममता यादव
कार्यक्रम
दीप प्रज्ज्वलन
मंगलाचरण
संगठन सूक्त
कुलगीत
छात्राएं

26th September 2022 : प्रथम दिवस
व्याख्यान
विश्वविद्यालय की स्थापना, दृष्टि-दर्शन, उद्देश्य - संस्कृति
मार्गदर्शन सत्र
विद्यार्थी की आकांक्षाएं एवं परिवार की आशाएँ
सहायता के प्रति आभार एवं कृतज्ञता
वक्ता
प्रो. रेनू शुक्ला (समन्वयक)

सुस्वागतम्!
दीक्षारम्भ-छात्र प्रेरणा कार्यक्रम
Student Induction Programme
For B.A./ B.A.(Hons.)/ M.A./ M.Sc./ MCA Students
26th सितम्बर – 1st अक्टूबर 2022

श्रद्धेय नमन

संस्थापक: आर्य समाज
महर्षि दयानन्द सरस्वती जी

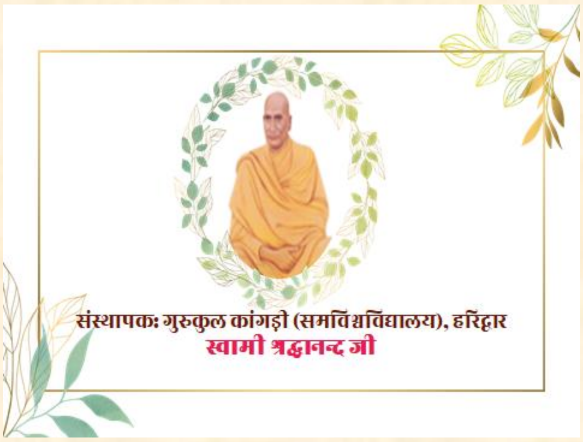
संस्थापक: गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार
स्वामी श्रद्धानन्द जी

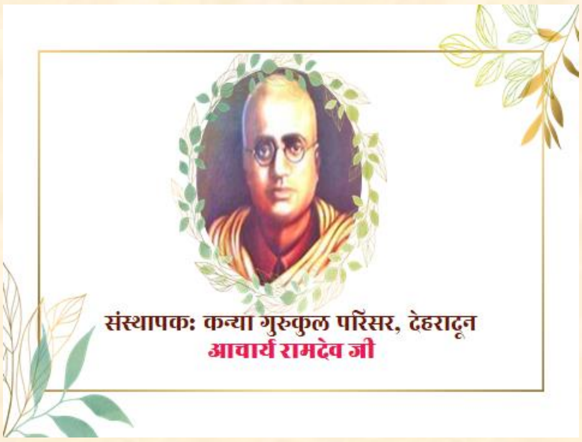
संस्थापक: कन्या गुरुकुल परिसर, देहरादून
आचार्य रामदेव जी

पूर्व आचार्या कन्या गुरुकुल महाविद्यालय देहरादून
स्व. श्रीमती दमयन्ती कपूर जी

26th September 2022 – प्रथम दिवस (प्रातः 10:00–11:30 बजे)
प्रथम दिन दीक्षारम्भ कार्यक्रम की शुरुआत यज्ञ से हुई जिसमें सभी प्राध्यपिकाएँ एवं छात्राएँ सम्मिलित हुंई | तत्पश्चात सभी सभागार में एकत्रित हुए | कार्यक्रम का संचालन डॉ. ममता यादव ने किया | मंत्रोच्चार के बीच दीप प्रज्ज्वलन के द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। फिर कन्याओं द्वारा मंगलाचरण हुआ उसके उपरान्त सूक्त एवं कुल गीत की बहुत ही सुन्दर प्रस्तुति बच्चों द्वारा दी गयी | प्रस्तुति के बाद कन्या गुरुकुल परिसर की समन्वय डॉ. रेणू शुक्ला द्वारा आए हुए सभी नए विद्यार्थियों का हार्दिक अभिवादन किया गया तथा सभी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना के साथ उन्होंने बताया कि गुरुकुल के क्या नियम और संस्कार है। उन्होने बताया कि दीप प्रज्जवलन एक सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। मैम ने संगठन सूक्त जो कि ऋग्वेद से लिया गया है, उसके महत्व के बारे में बताया कि यह सूक्त हमें यह संदेश देता है कि हम सब साथ-साथ चले।कुल गीत के बारे में भी मैम ने बताया कि कुल का मतलब होता है परिवार जो एक बहुत ही सुन्दर संदेश देता है। मैम ने "विश्वविद्यालय की स्थापना, दृष्टि-दर्शन, उद्देश्य - संस्कृति" विषय पर व्याख्यान देते हुए बताया की गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय की स्थापना स्वामी श्रद्धानन्द जी ने की जिनका मूल नाम मुंशीराम था और जो स्वामी दयानंद सरस्वती जी की शिक्षा से बहुत प्रभावित थे। स्वामी श्रद्धानन्द जी ने अपने जीवन काल में बहुत बड़े-बड़े सराहनीय कार्य किए जिनमें से एक बड़ा काम गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय की स्थापना है जो कि आर्य समाज के सिद्धांतों पर आज भी चलता है | मैम ने 10 नियम जो कि आर्य समाज में वर्णित है उनके बारे में बताया। मैम ने कन्या गुरुकुल कैम्पस के बारे मे बताया कि कन्या गुरुकुल एक ऐतिहासिक संस्था है जो 100 वर्ष पूरे करने जा रहा है। इस संस्था को बनाने का उद्देश्य था कि छात्राएँ भी शिक्षा प्राप्त (ग्रहण) कर सके। मार्गदर्शन सत्र: में "विद्यार्थी की आकांक्षाएं एवं परिवार की आशाएँ तथा सहायता के प्रति आभार एवं कृतज्ञता" विषय पर मैम ने अत्यंत रोचक ढंग से उत्साह पूरक सार गर्भित व्याख्यान दिया जिसमें छात्राओं की भी पूर्ण भागीदारी रही | डॉ. ममता यादव ने कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. रेणू शुक्ला (समन्वय), तथा अन्य प्राध्यापिकाओं एवं छात्राओं का धन्यवाद् किया। शांति पाठ के साथ प्रथम दिन का कार्यक्रम समाप्त हुआ | प्रथम दिन छात्राओं की कुल उयस्थिति रही : **70**

यज्ञ (प्रातः 10:00 बजे) स्थान: यज्ञशाला

उद्घाटन समारोह: मंच संचालन - डॉ. ममता यादव

दीप प्रज्जवलन

मंगलाचरण- छात्राएं

संगठन सूक्त एवं कुलगीत - छात्राएं

व्याख्यान:	▪ विश्वविद्यालय की स्थापना, दृष्टि-दर्शन, उद्देश्य - संस्कृति	प्रो. रेनू शुक्ला (समन्वयक)
मार्गदर्शन सत्र:	▪ विद्यार्थी की आकांक्षाएं एवं परिवार की आशाएँ ▪ सहायता के प्रति आभार एवं कृतज्ञता	

कन्या गुरुकुल परिसर, देहरादून
GPS Map Camera
Google
Dehradun, Uttarakhand, India
41D, Sewak Ashram Rd, Kandholi, Chironwali, Dehradun,
Uttarakhand 248001, India
Lat 30.336121°
Long 78.06086°
26/09/22 11:32 AM

27th September 2022 – द्वितीय दिवस
व्याख्यान
राष्ट्रीयता एवं जीवन मूल्य
वक्ता
डॉ. अर्चना डिमरी

27th September 2022 – द्वितीय दिवस
मार्गदर्शन सत्र
विभाग/ संकाय/ परिसर से परिचित करना
पाठ्यक्रम से परिचय कराना (उद्देश्य एवं कौशल अर्जन)
वक्ता
डॉ. ऋचा सक्सेना
विभिन्न वित्तपोषित योजनाओं एवं छात्रवृत्ति सम्बंधित
जानकारियाँ
वक्ता
डॉ. सविता

27th September 2022 – द्वितीय दिवस (प्रातः 10:00–12:00 बजे)

आज भी कार्यक्रम की शुरूआत यज्ञ द्वारा हुई। तत्पश्चात् सभी सभागार में एकत्रित हुए| कार्यक्रम का संचालन डॉ. रेखा राजपूत ने किया | कार्यक्रम का शुभारम्भ मंगलाचरण से हुआ। तत्पश्चात डॉ. रेखा ने डॉ. अर्चना डिमरी मैम को "राष्ट्रीयता एवं जीवन मूल्य" विषय पर व्याख्यान के लिए मंच पर सादर आमंत्रित किया। डॉ. अर्चना डिमरी ने अत्यंत रोचक ढंग से अनेक उदाहरणों के साथ ओजस्वी व्याख्यान देते हुए अनेक महत्वपूर्ण बातें हमसें साझा की। उनके व्याख्यान के कुछ अंश यंहा वर्णित हैं

दिल से निकलेगी न मरकर भी वतन की उल्फत

मेरी मिट्टी से भी खुशबू-ए-वतन आएगी।

राष्ट्रीयता की परिभाषा एक ऐसे जनसमूह के रूप में की जा सकती है जो कि एक भौगोलिक सीमाओं में एक निश्चित देश में रहता हो समान परम्परा समान हितों तथा समान भावनाओं से बंधा हो और जिसमें एकता के सूत्र में बांधने की उत्सुकता तथा समान राजनैतिक महत्वाकांक्षाएँ पाई जाती हो।

मैम ने बताया कि राष्ट्र का निर्माण करने के लिए हमें अनुशासन की अत्यधिक आवश्यकता होती है। राष्ट्र चाहता है कि उसके देश के युवा शिक्षित हो जो आगे चलकर अपने देश के कर्तव्यों को भली भांति समझ सकें। डॉ. अर्चना डिमरी मैम का व्याख्यान अत्यन्त उत्साहपूर्वक था। जिनके माध्यम से आज हमें इस द्वितीय दिवस पर अपने राष्ट्र के बारे में इतनी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई।

मार्गदर्शन सत्र: में डॉ. ऋचा सक्सेना मैम को मंच पर आमंत्रित किया गया, मैम ने सभी छात्राओं को विभाग/संकाय/परिसर से सम्बंधित सभी जानकारियाँ दी। उन्होने बताया कि यहाँ पर अनेक कोर्स उपलब्ध हैं, किस कोर्स से आप क्या बन सकते हैं तथा क्या-क्या कर सकते हैं और भविष्य में क्या अर्जित कर सकते हैं। उन्होंने सभी बच्चों को विभाग की सभी शिक्षिकाओं से परिचित भी करवाया तथा सभी बच्चों को उज्जवल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया।

इसके बाद डॉ. सविता मैम का व्याख्यान हुआ। जिसमें मैम ने केंद्रीय तथा प्रान्तीय स्कॉलरशिप के बारे में अनेक जानकारियाँ दी। मैम ने बताया कि स्कॉलरशिप प्राप्त करने के लिए क्या पात्रता होती है तथा क्या-क्या डाक्यूमेंटस की आवश्यकता होती है।

शांति पाठ के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ |

द्वितीय दिन छात्राओं की कुल उयस्थिति रही : **76**

यज्ञ (प्रातः 10:00 बजे) स्थान: यज्ञशाला

मंगलाचरण- छात्रा

मंच संचालन - डॉ. रेखा राजपूत

व्याख्यान
राष्ट्रीयता एवं जीवन मूल्य
डॉ. अर्चना डिमरी

मार्गदर्शन सत्र:
विभाग/ संकाय/ परिसर से परिचित कराना
पाठ्यक्रम से परिचय कराना (उद्देश्य एवं कौशल अर्जन)
डॉ. ऋचा सक्सेना

मार्गदर्शन सत्र:
विभिन्न वित्तपोषित योजनाओं एवं छात्रवृत्ति सम्बंधित जानकारियाँ
डॉ. सविता

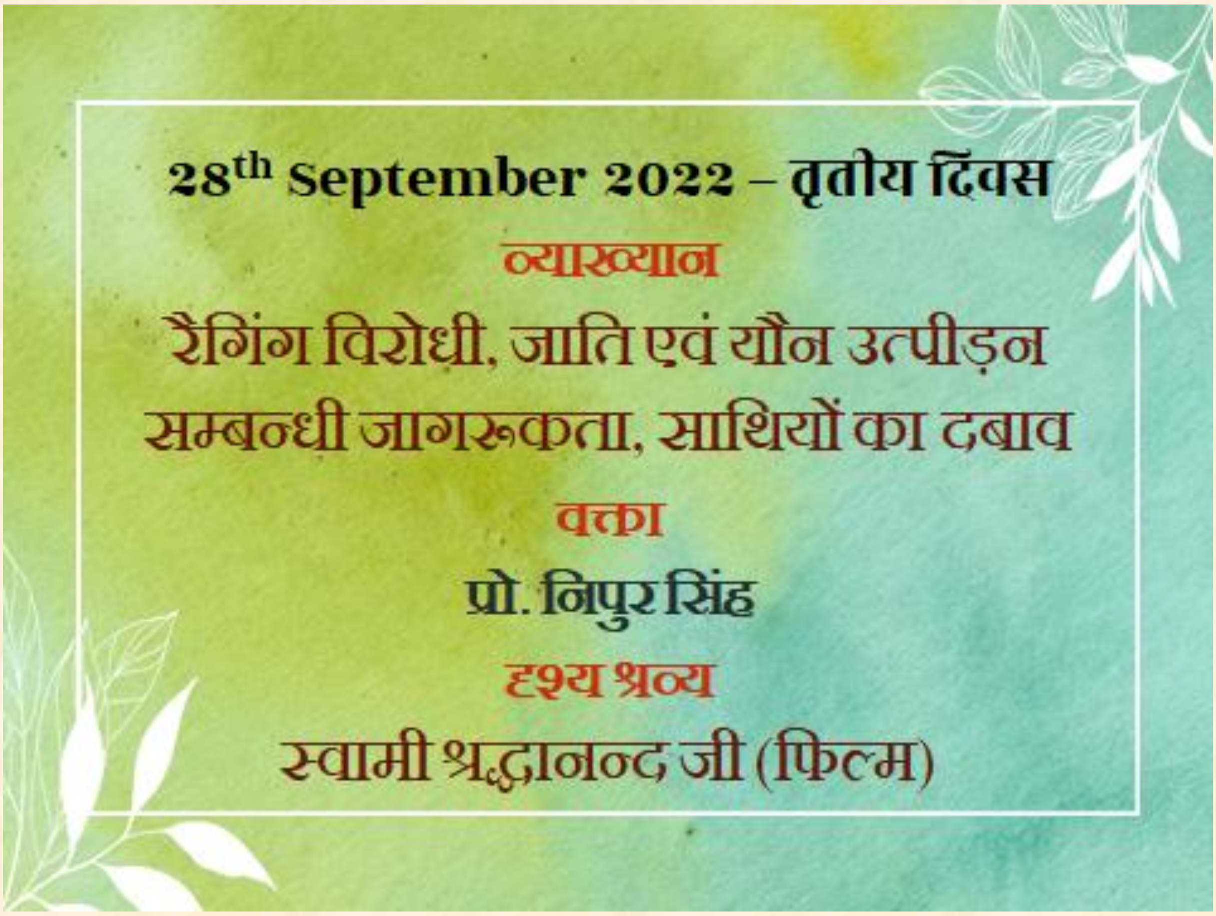

28th September 2022 – तृतीय दिवस (प्रातः 10:00–12:00 बजे)
कार्यक्रम की शुरूआत यज्ञ द्वारा हुई। इसके उपरान्त मंगलाचरण हुआ	कार्यक्रम का संचालन डॉ. रीना वर्मा ने किया	डॉ. नुपूर मैम ने "रैगिंग विरोधी, जाति एवं यौन उत्पीड़न सम्बन्धी जागरूकता, साथियों का दबाव" विषय पर व्याख्यान दिया	मैम ने रैगिंग के बारे में बताया कि इसका क्या प्रभाव हो सकता है। जो रैगिंग करता है तथा जिसकी रैगिंग होती है उस पर तथा उसके परिवार पर उससे क्या असर पड़ता है तथा इसे किस प्रकार डील करें। तत्पश्चात् सुनिति आर्या मैम का व्याख्यान हुआ जिसमें उन्होंने स्वामी श्रद्धानंद जी के जीवन की कुछ महत्वपूर्ण घटनाओं को अत्यंत रोचक ढंग से छात्राओं के साथ साझा किया। तत्पश्चात स्वामी श्रद्धानंद जी के जीवन पर आधारित फिल्म "अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानंद जी" दिखाई गई जिसे सभी छात्रओं नें अत्यंत ध्यानपूर्वक देखा। शांति पाठ के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ | तृतीय दिन छात्राओं की कुल उयस्थिति रही : **71**

यज्ञ (प्रातः 10:00 बजे) स्थान: यज्ञशाला	
मंगलाचरण - बालिकांए	
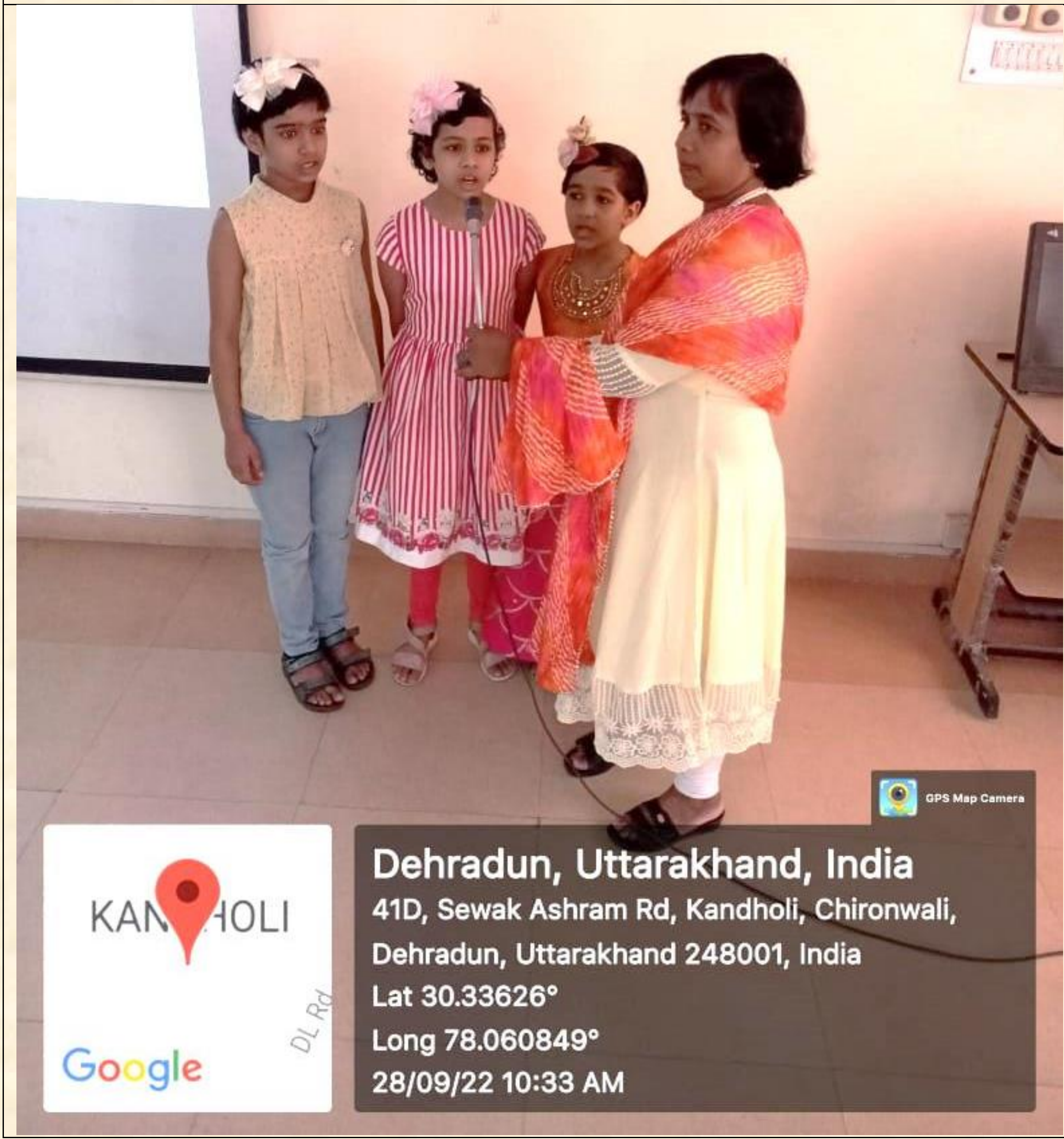	

मंच संचालन - डॉ. रीना वर्मा

व्याख्यान: रैगिंग विरोधी, जाति एवं यौन उत्पीड़न सम्बन्धी जागरूकता, साथियों का दबाव - प्रो. निपुर सिंह

दृश्य श्रव्य: स्वामी श्रद्धानन्द जी (जीवन परिचय) - डॉ. सुनीति आर्या

दृश्य श्रव्य: अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानंद जी स्वामी श्रद्धानन्द जी (फिल्म)

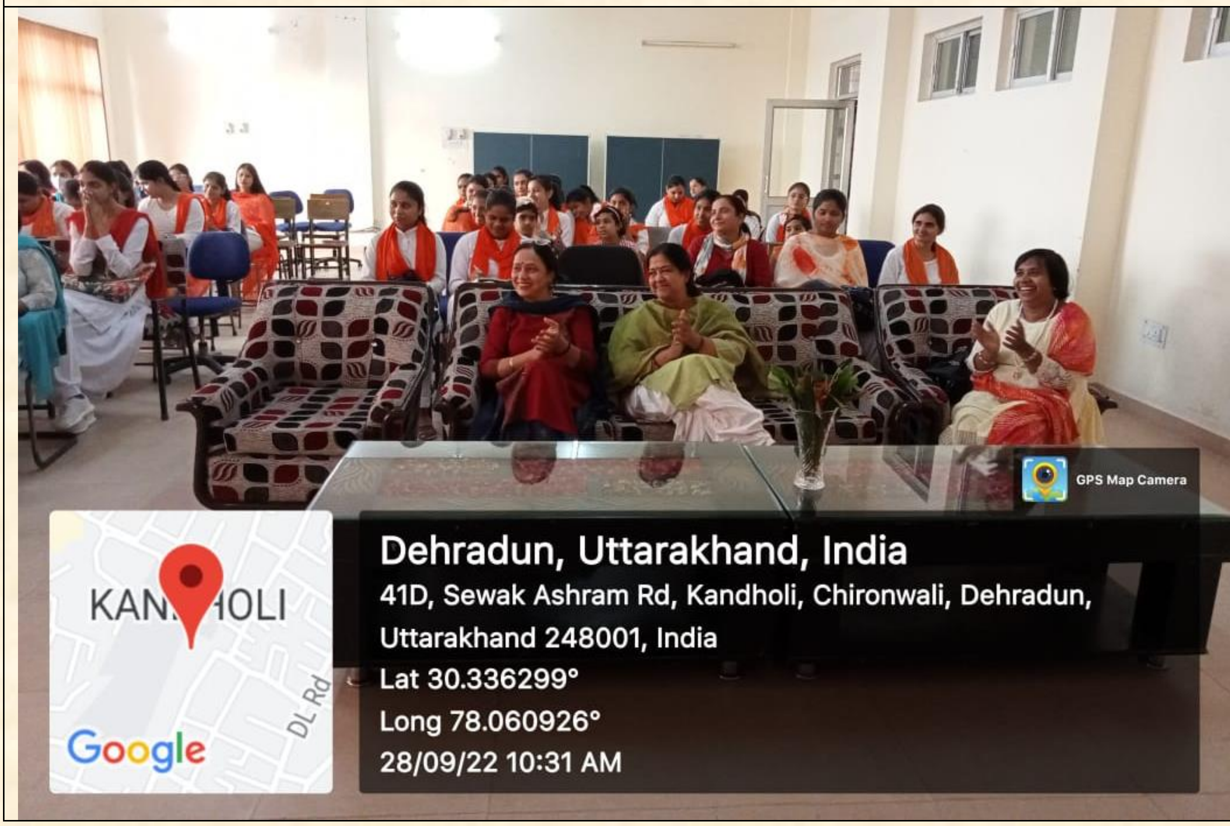

GPS Map Camera
KANDHOLI
Google
Dehradun, Uttarakhand, India
41D, Sewak Ashram Rd, Kandholi, Chironwali, Dehradun, Uttarakhand 248001, India
Lat 30.336282°
Long 78.060858°
28/09/22 10:41 AM

GPS Map Camera
KANDHOLI
Google
Dehradun, Uttarakhand, India
41D, Sewak Ashram Rd, Kandholi, Chironwali, Dehradun, Uttarakhand 248001, India
Lat 30.336327°
Long 78.060893°
28/09/22 10:43 AM

29th September 2022 –चतुर्थ दिवस (प्रातः 10:0–12:00 बजे)

आज भी कार्यक्रम की शुरूआत यज्ञ द्वारा हुई। कार्यक्रम का संचालन सुश्री सुकेश मैम ने किया | कार्यक्रम का शुभारम्भ मंगलाचरण से हुआ। तत्पश्चात डॉ. सुनीति आर्या मैम ने “वेद एवं आर्य समाज” विषय पर व्याख्यान देते हुए वेदों के बारे में कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां दी। मैम ने बताया कि वेद का क्या अर्थ है वेद कितने हैं, वेदोक्त ईश्वर का क्या स्वरूप है वेदों से जुड़े रहने के क्या-क्या लाभ है। उन्होंने आर्य समाज के सिद्धांत तथा इसके प्रचार एवं प्रसार से सम्बंधित भी अनेक महत्वपूर्ण जानकारीयाँ छात्राओं के साथ साझा कीं | भारत के स्वतंत्रता संग्राम में तथा नारी शिक्षा में आर्यसमाज के योगदान से भी उन्होंने छात्राओं को अवगत कराया|

दृश्य श्रव्य: सत्र में महर्षि दयानंद जी के जीवन पर आधारित फिल्म “ युग द्रष्टा – युग सृष्टा महर्षि दयानंद सरस्वती” दिखाई गई जिसमें उनकी जन्म से लेकर मृत्यु तक सभी घटनाओं का वर्णन था।फिल्म की समाप्ति पर सभी लोग अत्यंत भावुक हो गए| फिल्म बहुत प्रेरणादायक रही|

शांति पाठ के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ |

चतुर्थ दिन छात्राओं की कुल उयस्थिति रही : **63**

यज्ञ (प्रातः 10:00 बजे) स्थान: यज्ञशाला

मंगलाचरण- छात्राएं

मंच संचालन: सुश्री सुकेश

व्याख्यान: वेद एवं आर्य समाज - डॉ. सुनीति आर्या

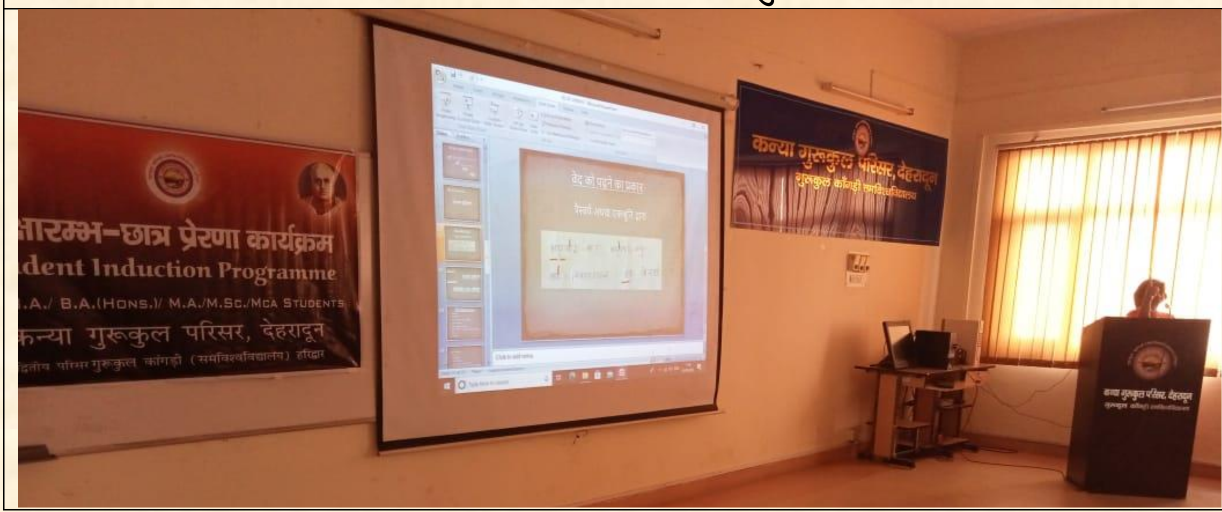

दृश्य श्रव्य: स्वामी दयानन्द जी (फिल्म)

GPS Map Camera
KANDHOLI
Google
Dehradun, Uttarakhand, India
41D, Sewak Ashram Rd, Kandholi, Chironwali, Dehradun,
Uttarakhand 248001, India
Lat 30.336097°
Long 78.060895°
29/09/22 11:02 AM

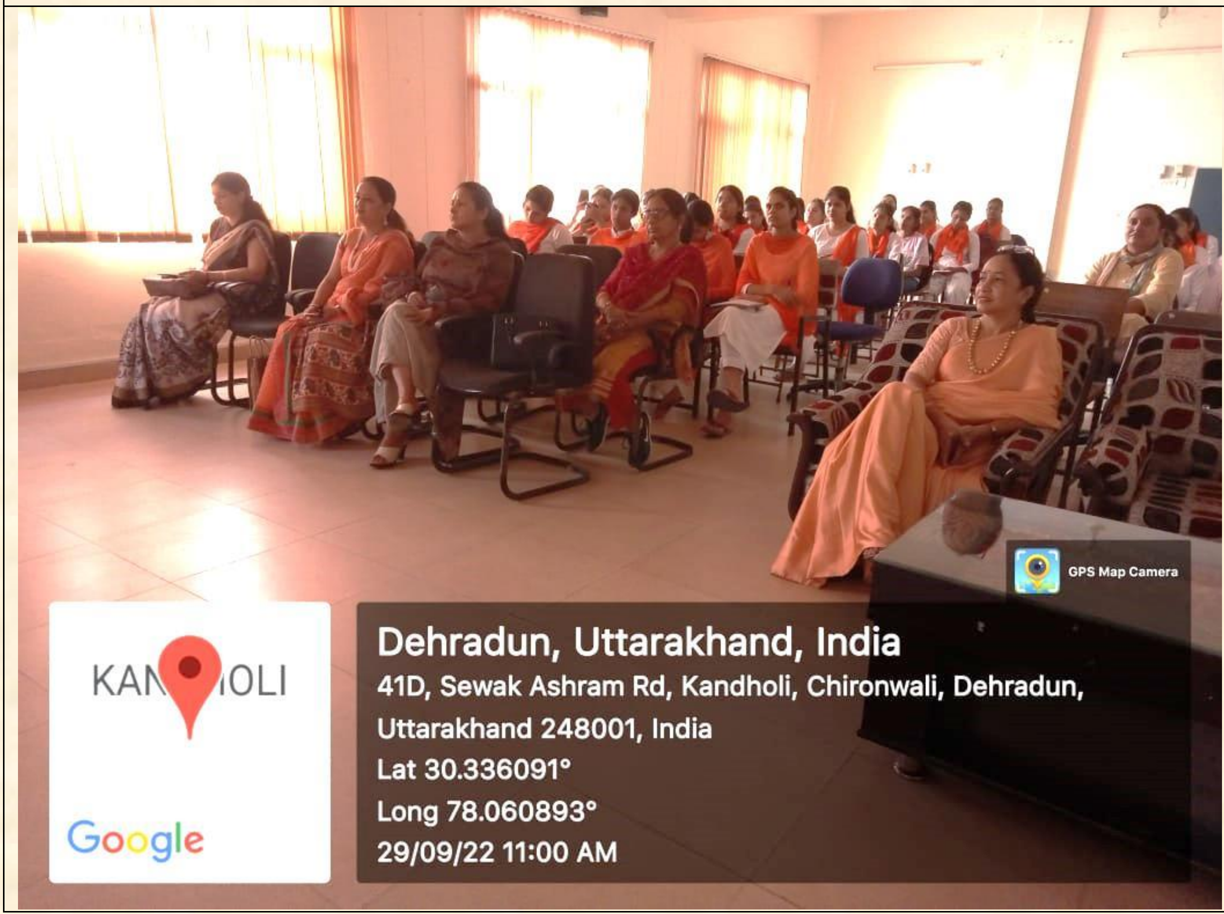
GPS Map Camera
KANDHOLI
Google
Dehradun, Uttarakhand, India
41D, Sewak Ashram Rd, Kandholi, Chironwali, Dehradun,
Uttarakhand 248001, India
Lat 30.336091°
Long 78.060893°
29/09/22 11:00 AM

30th September 2022 – पञ्चम दिवस
व्याख्यान
आचार्य रामदेव जी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
वक्ता
डॉ. सुनीति आर्या

30th September 2022 – पञ्चम दिवस
मार्गदर्शन सत्र
योग, खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता सम्बंधित जानकारियाँ
वक्ता
डॉ. संयोगिता, डॉ. सरिता नेगी
कंप्यूटर एवं इंटरनेट सम्बन्धी सुविधाएँ एवं जानकारियां
वक्ता
डॉ. स्वाति सिंघल

30th September 2022 –पञ्चम दिवस (प्रातः 10:0–12:00 बजे)

कार्यक्रम की शुरूआत यज्ञ द्वारा हुई, तत्पश्चात् मंगलाचरण हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्राची आर्या ने किया | व्याख्यान सत्र में डॉ. सुनीति आर्या मैम नें "आचार्य रामदेव जी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व" विषय पर व्याख्यान देते हुए आचार्य रामदेव जी के जीवन परिचय एवं आर्य समाज में उनके योगदान से छात्राओं को अवगत कराया | आचार्य रामदेव जी का गुरुकुल में योगदान तथा देहरादून में कन्या गुरुकुल की स्थापना हेतु किये गए उनके संघर्ष से भी छात्राओं को परिचित कराया |

मार्गदर्शन सत्र में डॉ. संयोगिता मैम ने योग तथा खेलकूद के बारे में अनेक जानकारियाँ दी कि कैसे योग हमारे शरीर तथा मन को स्वस्थ रखकर हमारे जीवन को श्रेष्ठतर बना सकता है | मैम ने बताया कि जरूरी नहीं कि आप बाहर से स्वस्थ दिख रहे है तो आप अन्दर से भी स्वस्थ है। मैम ने बताया कि योग से हमारा शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक अर्थात चहुंमुखी विकास होता है।

तत्पश्चात् डॉ. सरिता नेगी मैम ने जीवन में संगीत के महत्त्व को समझाते हुए अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा संगीत एवं खेलकूद सम्बंधित विभिन्न प्रतियोगिताओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियाँ छात्राओं के साथ साझा कीं |

मार्गदर्शन सत्र में डॉ. स्वाति सिंघल मैम नें परिसर में इन्टरनेट एवं कंप्यूटर सम्बंधित सुविधाओं का उपयोग करने हेतु उपयोग में लायी जाने वाली प्रक्रिया से छात्राओं को अवगत करवाया जिससे छात्राएं आसानी से इन सुविधाओं का लाभ उठा सकें|

शांति पाठ के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ |

पञ्चम दिवस छात्राओं की कुल उयस्थिति रही : **65**

यज्ञ (प्रातः 10:00 बजे)   स्थान: यज्ञशाला

मंगलाचरण- छात्राएं

मंच संचालन: डॉ. प्राची आर्या

व्याख्यान: आचार्य रामदेव जी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व - डॉ. सुनीति आर्या

मार्गदर्शन सत्र: योग एवं खेलकूद का जीवन में महत्व - डॉ. संयोगिता

मार्गदर्शन सत्र: सांस्कृतिक प्रतियोगिता सम्बंधित जानकारियाँ - डॉ. सरिता नेगी	मार्गदर्शन सत्र: कंप्यूटर एवं इंटरनेट सम्बन्धी सुविधाएँ एवं जानकारियाँ - डॉ. स्वाति सिंघल

1st October 2022 –षष्ठ दिवस
व्याख्यान
भारतीय कानून व्यवस्था
वक्ता
डॉ. नीना गुप्ता
मार्गदर्शन सत्र
छात्रावास नियमावली सम्बंधित जानकारियाँ
वक्ता
डॉ. प्रवीणा चतुर्वेदी

1st October 2022 –षष्ठ दिवस
समापन समारोह
आशीर्वचन
प्रो. हेमलता
धन्यवाद ज्ञापन
डॉ. ममता यादव

समापन समारोह
दीक्षारम्भ-छात्र प्रेरणा कार्यक्रम
26th सितम्बर – 1st अक्टूबर 2022

समापन समारोह
दीक्षारम्भ-छात्र प्रेरणा कार्यक्रम
26th सितम्बर – 1st अक्टूबर 2022

1st October 2022 –षष्ठ दिवस (प्रातः 10:0–12:00 बजे)

दीक्षारम्भ कार्यक्रम के समापन समारोह की शुरुआत यज्ञ से हुई| तत्पश्चात सभी सभागार में एकत्रित हुए| कार्यक्रम का संचालन डॉ. अर्चना डिमरी ने किया| मंत्रोच्चार के बीच दीप प्रज्जवलन के द्वारा समापन समारोह का शुभारम्भ हुआ। सर्वप्रथम डॉ. ममता यादव एवं डॉ. सुनीति आर्या द्वारा मंगलाचरण हुआ| व्याख्यान सत्र कि शुरुआत समन्वयक डॉ. रेनू शुक्ला मैम के स्वागत अभिवादन के साथ हुइ | तत्पश्चात डॉ. नीना गुप्ता मैम ने “भारतीय कानून व्यवस्था” विषय पर व्याख्यान दिया | उन्होंने भारतीय न्याय प्रणाली का संक्षिप्त परिचय देते हुए साइबर क्राइम से सम्बंधित अनेक जानकारियाँ दी। उन्होंने बताया कि इन्टरनेट पर होने वाले अपराधों को रोकने के लिए कानून में क्या व्यवस्था की गई है। फिर मैम ने बताया कि अगर ऑनलाइन माध्यम से भी कोई रिपोर्ट दर्ज कराना चाहता हो तो cybercrime.gov.in पर जाकर रिपोर्ट दर्ज करा सकता है| इसके पश्चात् मैम ने बताया कि हम सभी को सावधानी पूर्वक इन्टरनेट का उपयोग करना चाहिए जिससे भविष्य में हमें कभी भी किसी क्राइम का सामना ना करना पड़े।

मार्गदर्शन सत्र में डॉ. प्रवीणा चतुर्वेदी मैम ने सभी छात्राएँ जो परिसर के छात्रावास में रहती है का स्वागत किया एवं छात्रावास में रहने के सभी नियमों से उन्हें अवगत कराया| मैम ने बताया कि छात्रावास में रहने वाली सभी छात्राओं को प्रातःकाल जल्दी उठना, समय पर हवन करना, नाश्ता करना, अध्ययन करना तथा रात्रि में समय पर सोना आदि बातों का कठोरता से पालन करना होगा |

तत्पश्चात डॉ. हेमलता मैम ने सभी छात्राओं को आशीर्वचन दिया | छात्राओं ने भी दीक्षारम्भ कार्यक्रम के अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया की उन्हें इस कार्यक्रम के माध्यम से अपने परिसर, विश्वविद्यालय तथा आर्य समाज के बारे में विस्तार से जानने का अवसर प्राप्त हुआ है| आर्य समाज की स्थापना तथा इसके प्रचार एवं प्रसार में किये गए अथक प्रयासों एवं समाज में उसके प्रभाव को भी जानने का अवसर प्राप्त हुआ| सभी व्याख्यान अत्यंत रोचक एवं महत्वपूर्ण थे |

२ अक्टूबर को गाँधी एवं शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर उन्हें याद करते हुए उनके चित्रों पर माल्यार्पण हुआ तथा छात्राओं नें बापू के प्रिय भजन “वैष्णव जन को ...” तथा “रघुपति राघव ....” की अत्यंत सुन्दर प्रस्तुति दी| कार्यक्रम के अंत में छात्राओं ने सस्वर कुलगीत भी प्रस्तुत किया|

डॉ. ममता यादव ने दीक्षारम्भ कार्यक्रम में सहयोग एवं योगदान हेतु सभी वक्ताओं को सम्मानित किया तथा सभी प्राध्यापिकाओं, छात्राओं एवं कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार व्यक्य किया |

ग्रुप फोटो के बाद शांति पाठ के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ|

षष्ठ दिवस छात्राओं की कुल उयस्थिति रही : **52**

यज्ञ (प्रातः 10:00 बजे) स्थान: यज्ञशाला

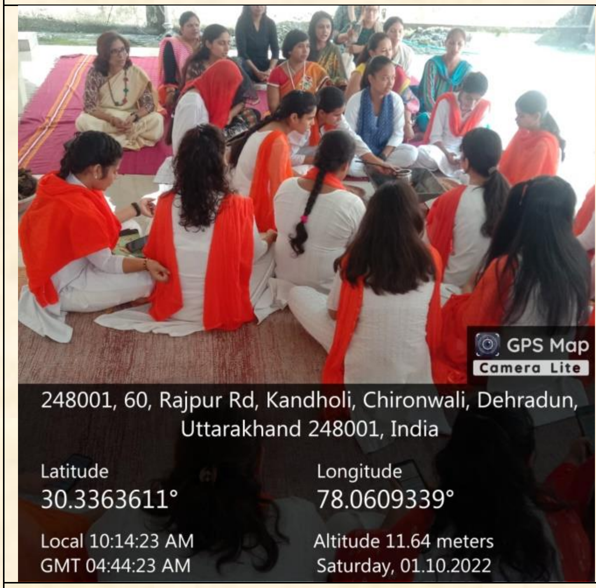

मंगलाचरण- डॉ. ममता यादव

मंगलाचरण- डॉ. सुनीति आर्या

मंच संचालन: डॉ. अर्चना डिमरी

दीप प्रज्ज्वलन

स्वागत अभिवादन - प्रो. रेनू शुक्ला (समन्वयक)

आशीर्वचन - प्रो. हेमलता

व्याख्यान: भारतीय कानून व्यवस्था - डॉ. नीना गुप्ता	मार्गदर्शन सत्र: छात्रावास नियमावली सम्बंधित जानकारियाँ - डॉ. प्रवीणा चतुर्वेदी
	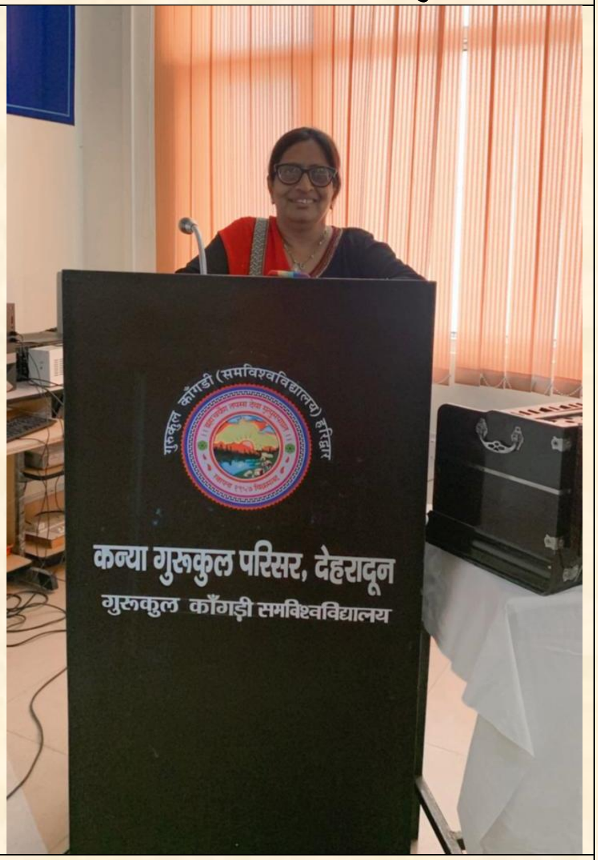

भजन: वैष्णव जन को तेने कहिए,रघुपति राघव राजा राम एवं कुलगीत - छात्राएं

अनुभव साझा करती छात्राएं

प्राध्यापिकाओं का सम्मान

छात्र प्रेरणा कार्यक्रम

कन्या गुरुकुल परिसर देहरादून

द्वितीय परिसर गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार

Kanya Gurukul Campus - Dehradun kgc_dehradun @KGCDehradun